संग्रहालय और शैक्षणिक क्रियाएँ

Mandip kumar Chaurasiya

Assistant Professor(Guest)

Dept. of A.I.H. & Archaeology

Patna university, patna-800005

B.A. – III Year

Paper – VIII (Museum Methods, Tourism and Excursion)

आधुनिक युग में संग्रहालय मनोरंजन और शिक्षा का भी एक अहम माध्यम है। समय के साथ हमलोगों को यह प्रतीत होने लगा की संग्रहालय केवल आकर्षण या मनोरंजन का ही केंद्र नही अपितु ज्ञान और शैक्षणिक कार्य के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पहले सभी यही समझते थे की संग्रहालय केवल बच्चों के लिए मनोरंजन के केंद्र होते है मगर आज यह शिक्षा के क्षेत्र में भी अहम योगदान दे रहे है। संग्रहालयों में पुरातन ज्ञान के लिए अनेका अनेक पुरातत्व से सम्बंधित पुरावशेषों को प्रदर्शित किया जाता है और इनके बारे में संक्षिप्त जानकारी भी दी जाती है। बहुत जगह संग्रहालयों में जानकारी देने के लिए गाइड नियुक्त रहते है। ये गाइड उस पुरावशेषों से सम्बंधित जानकारी देते है। जिन लोगों को अपने अतीत और पुरातन ज्ञान की जानकारी पाने की इक्छा होती है उनके लिए संग्रहालय एक सबसे अच्छा और सुलभ माध्यम है। भारत में भी बहुत से संग्रहालय है, इन संग्रहालयों में अपने सांस्कृतिक विरासत को हम देख पाते है।

शोधकर्ता यहाँ के सामग्रियों को शोध कक्ष में बैठकर देखता है और उन पर खोज करता है। इस प्रकार संग्रहालय शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है जो निम्न प्रकार से शिक्षा के क्षेत्र में सहायक होता है।

(1) बहुत से संग्रहालयों में लेक्चरर गाइड होता है। उसका कार्य आगंतुकों को गैलेरी की वसतुओं के विषय में उचित ज्ञान प्रदान करना है। जहाँ कहीं भी कोई दर्शक वस्तुओं की वास्तविक जानकारी में भटक जाता है वहाँ उसे सहायता करते रहते है और ज्ञान को बढ़ाते है।

(2) कभी-कभी विद्यालय के अध्यापक अपने छात्रों को सम्बंधित गैलेरियों में छुट्टियों के दिन लाकर सामग्रियों को दिखाकर प्रत्यक्ष पाठ पढाते है। आवश्यक वस्तुओं को दिखाकर वहाँ उनके ज्ञान को पुष्ट और विकसित करते है। बहुत से संग्रहालयों में व्याख्यान भवन भी होते है। जहाँ पर किसी विशेष विषय पर व्याख्यान आयोजित किया जाता है। छात्र इन व्याख्यानों में भाग लेकर ज्ञान अर्जित करते है।

(3) प्रत्येक संग्रहालय अपने सम्बंधित विषयों की पुस्तकें अपने पुस्तकालय में रखता है तथा नवीनतम उपलब्धियाँ एकत्रित करता है। साथ ही पात्र-पत्रिकाओं का भी संग्रह वहाँ किया जाता है।

(4) प्रत्येक संग्रहालय में एक शोध-कक्ष होता है। इसमें शोधार्थी सामग्रियों के द्वारा नई ज्ञान की दशाएँ खोजता है। और अपने ज्ञान को बढाता है।

(5) गाइड टूर की व्यवस्था भी संग्रहालयों के द्वारा की जाती है। बच्चों के साथ ये गाइड यात्रायें करते है और ये स्थानीय इतिहास, कला, संस्कृति आदि की जानकारी देते है।

(6) संग्रहालय की अन्य शैक्षणिक क्रियाओं में एक क्रिया है पुरातन ग्रंथों का संग्रह। यदि संग्रहालय यह कार्य बंद कर दे तो बाजारों में जो पुराने ग्रन्थ है उन्हें विदेशी उठा ले जायेंगे। यही ग्रंथे संग्रहालयों में सुरक्षित रहती है और समय-समय पर ज्ञान प्राप्त करने वाले की ज्ञान की अभिलाषा को पूरा करती है। शोधकर्ताओं को भी बहुत मदद इन ग्रंथो से होती है।

(7) आज के संग्रहालय में एक साथ प्रदर्शों को देखना और उनके विषय में दृश्य श्रव्य माध्यम से पूरी जानकारी प्रदान करना सम्मिलित है जिससे वह उसके विषय में संचार माध्यम तथा दृश्य-श्रव्य साधनों तथा वास्तविक सामग्री को एक स्तर पर लाकर सिखता है। वह जहाँ उन्हें देखता है वही उसके विषय में फ़िल्म, रेडियों, टी० वी० आदि से पूरी जानकारी प्राप्त करता है।

इसके अलावे बहुत से शैक्षणिक क्रियाएँ संग्रहालय से सम्बंधित है। ऊपर कुछ महत्वपूर्ण बातों को बताने की कोशिस की गई है। देखा जाए तो संग्रहालय मनोरंजन, आकर्षण का ही केंद्र नहीं बल्कि ज्ञान और शिक्षा का भी केंद्र हो गया है। आज-कल बहुत से महत्वपूर्ण विषयों पर संग्रहालयों में विशेष व्याख्यान मालाओं का आयोजन किया जाता है जो शिक्षा तथा ज्ञान के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।